

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

15/29/19

जज अदालत

मुकाम

30/07/19

दिनांक

बचाम

किस मुकदम

नं.

सन्

कारीक हुकम	हुकम वा कार्यवाही भय इतिवियत्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम को तामील में जारी हुए।
<p>५</p>	<p>30/7/19</p> <p>जिबली लो बुझ (कमीषर अपनी अपन कमीषर अपनी अपनी क्या हुने गंभी कमीषर अपनी अपनी ने कियेन किता कि अदालत कामका से वज्य विचारके के जो वाद बंधारे से कियेन के अपनी न० ५ सी हुने के गंभी के से कियेन कियेन पुनःपुनः कियेन मागेन के दिये कियेन किता किता पान न० १ कियेन किता अपनी न० को कियेन कियेन नही अपनी कियेन कियेन कियेन कियेन कियेन पान के कियेन कियेन अदालत कामका से कियेन कियेन के गंभी (अतः अपनी कियेन कियेन कियेन कियेन कियेन अपनी हुने। कमीषर</p>	

लिखित किता कियेन
किता कियेन कियेन

दुःखों में विचारार्थक वरु अन्त
 ज्ञानात्मक में मुक्तिक्रिये वरु का कार्य
 किया। पराजय की अवस्था
 किया। विचारार्थक वरु वरु वरु में
 संशयित है किन्तु ज्ञानार्थक
 किया पला भव (जो वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु के वरु किन्तु
 वरु वरु वरु। वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु
 के वरु वरु वरु वरु वरु
 किन्तु में वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु

अज्ञान-वर्जन पर मुक्तिक्रिये
 100 की वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु

भारतीय विद्यापीठ
 (विश्वविद्यालय)